अमर उजाला

महानगर
वर्ष 20 | अंक 221 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : सात रुपये

वाराणसी
शनिवार, 27 अगस्त 2022
भाद्रपद अमावस्या
विक्रम संवत-2079

amarujala.com | अमेरिकी सर्वे | मोदी की लोकप्रियता बरकरार, 21 देशों के नेताओं को पीछे छोड़ शीर्ष पर...12 | उत्तर प्रदेश

दो दिवसीय आयुषकॉन-2023 कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक सम्पन्न

पद्मश्री प्रो. खादर वली के साथ कई जाने माने दिग्गजों को आयुषकॉन एक्सलेन्स अवार्ड-2023 से किया गया सम्मानित

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयुष्मान द्वारा आयुषकॉन-2023 का भव्य आयोजन किया गया, जिसका थीम था-'विलेज टुवर्ड्स टेक्नोलॉजिकल'। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में हरियाणा के राज्यपाल महामहिम श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्रीमान कैलाश चौधरी जी, बिहार झारखंड के संगठन मंत्री सुनील बंसल जी, अनिल ठाकुर जी, आयुष मंत्री के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री आशीष जामनेरे जी, उपमहापौर श्री दीपक ठाकुर जी उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन सम्बोधन में आयुष्मान के संयोजक डॉ.विनित कुमार जी ने मंच पर उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों को शॉल एवं प्रमाणित चित्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में महामहिम श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, केंद्रीय मंत्री श्री कैलाश चौधरी जी, श्री अनिल ठाकुर जी, श्री आशीष जामनेरे जी तथा श्री दीपक ठाकुर जी का स्वागत किया और आयुषकॉन-2023 के इस आयोजन में उनकी उपस्थिति के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापन किया।

डॉ.विनित कुमार जी ने अपने उद्घाटन भाषण में सबसे पहले आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज उन्हीं के प्रयासों से भारत गौरव पर कदम रखने में सक्षम रहा। यह क्षण हम सब भारतवासियों के लिए गौरव का क्षण है। आयुषकॉन-2023 के इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के एक विशेष 'मन की बात' कहकर हम सबका मान बढ़ाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी को साधुवाद देते हुए कहा कि वे एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पद संभालते ही आयुष मंत्रालय बनाया और इस वर्ष आयुष्मान विलेज वर्ष घोषित कराया। उन्होंने कहा कि 2022-23 विलेज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। यह भारत,राष्ट्र का आयुर्वेद में बेहद महत्व रहा है। भारत के कृषि संस्कार का ये आधार रहा है। विलेज वर्ष मनाने से संस्कार का महत्व बढ़ा है,इसके लिए सरकार के प्रयास बेहद सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि आज आयुष का महत्व बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत पूरे वर्ष आयुष संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है और लोगों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से यह संकल्प लेने को कहा कि वे आयुष के संदेश को लोगों तक पहुंचाएं।

आयुष मंत्रालय के लिए डॉ विनित कुमार के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों के लिए उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने महर्षि अगस्ति के दर्शन के महत्व पर बल देते हुए कहा कि इस दर्शनशास्त्र महर्षि अगस्ति के वर्ष पर चलना चाहिए। डॉ विनित कुमार जी ने इस विलेज वर्ष को अंतरराष्ट्रीय महत्व का वर्ष बताया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य जागरूकता है। जागरूकता सही अवसर अपनाने की। उन्होंने सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा कि विलेज में व्यवसाय प्रोटोकॉल होता है। इसे पैदा करने में कम खर्चे और कम भौतिकवाद सम्भव है। इन्हें कम खर्चे वाले इलाकों में उपयोग का सकता है। डॉ विनित कुमार ने विलेज उत्थान के दो मंत्र - एक स्वास्थ्य मंत्र और दूसरा आर्थिक मंत्र। उन्होंने कहा कि इसमें भारत की आर्थिक मंत्र की बात होगी। डॉ विनित कुमार जी ने बताया कि हम इस वर्ष विलेज वर्ष के साथ साथ महर्षि अगस्ति की 150 वीं जयंती भी मना रहे हैं। महर्षि अगस्ति ने न केवल राजनीतिक की लड़ाई लड़ी, बल्कि उन्होंने समाज में भाईचारगी स्थिरता देने का प्रयास किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आयुष की जरूरत क्यों है? उन्होंने कहा कि आयुष स्वास्थ्य लाभ के लिए बेहद जरूरी है। यह स्वास्थ्य रहने का एकमात्र साधन है। डॉ विनित कुमार जी ने सम्मेलन पर जोर देते हुए कहा कि यह बहुत जरूरी नहीं है, इस सम्मेलन का उद्देश्य आत्मकल्याण बिलकुल है। इस अवसर पर उन्होंने मंच पर उपस्थित केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी जी का भी विलेज की दिशा में उनके प्रयासों की पूरी पूरी प्रशंसा की। अपने सम्बोधन के अंत में उन्होंने इस दो दिवसीय सम्मेलन की सफल कार्यवाही प्रस्तुत की और सम्मान में उपस्थित विशिष्ट महानुभाव, संगठनों, संस्थाओं ने अपने दिए भाषणों का अभिवादन किया और उनका स्वागत किया।

बिहार झारखंड के संगठन मंत्री श्री अनिल ठाकुर जी ने मंच पर उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों का अभिवादन किया और पहले संस्थान में उपस्थित लोगों को देखकर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली में नौकरी पेशा वाला 'मन की बात' कहकर इस सम्मेलन का महत्व है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी को साधुवाद देते हुए कहा कि वे एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पद संभालते ही आयुष मंत्रालय बनाया और इस वर्ष आयुष्मान विलेज वर्ष घोषित कराया। उन्होंने कहा कि 2022-23 विलेज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। यह भारत,राष्ट्र का आयुर्वेद से बेहद महत्व रहा है। भारत के कृषि संस्कार का ये आधार रहा है। विलेज वर्ष मनाने से संस्कार में इस प्रकारों का महत्व बढ़ा है,इसके लिए सरकार के प्रयास बेहद सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि आज आयुष का महत्व बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत पूरे वर्ष आयुष संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है और लोगों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से यह संकल्प लेने को कहा कि वे आयुष के संदेश को लोगों तक पहुंचाएं।

आयुष मंत्रालय के लिए डॉ विनित कुमार के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों के लिए उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने महर्षि अगस्ति के दर्शन के महत्व पर बल देते हुए कहा कि इस सम्मेलन को महर्षि अगस्ति के वर्ष पर चलना चाहिए। डॉ विनित कुमार जी ने इस विलेज वर्ष को अंतरराष्ट्रीय महत्व का वर्ष बताया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य जागरूकता है। जागरूकता सही अवसर अपनाने की। उन्होंने सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा कि विलेज में व्यवसाय प्रोटोकॉल होता है। इसे पैदा करने में कम खर्चे और कम भौतिकवाद सम्भव है। इन्हें कम खर्चे वाले इलाकों में उपयोग का सकता है। डॉ विनित कुमार ने विलेज उत्थान के दो मंत्र - एक स्वास्थ्य मंत्र और दूसरा आर्थिक मंत्र। उन्होंने कहा कि इसमें भारत की आर्थिक मंत्र की बात होगी। डॉ विनित कुमार जी ने बताया कि हम इस वर्ष विलेज वर्ष के साथ साथ महर्षि अगस्ति की 150 वीं जयंती भी मना रहे हैं। महर्षि अगस्ति ने न केवल राजनीतिक की लड़ाई लड़ी, बल्कि उन्होंने समाज में भाईचारगी स्थिरता देने का प्रयास किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आयुष की जरूरत क्यों है? उन्होंने कहा कि आयुष स्वास्थ्य लाभ के लिए बेहद जरूरी है। यह स्वास्थ्य रहने का एकमात्र साधन है। डॉ विनित कुमार जी ने सम्मेलन पर जोर देते हुए कहा कि यह बहुत जरूरी नहीं है, इस सम्मेलन का उद्देश्य आत्मकल्याण बिलकुल है। इस अवसर पर उन्होंने मंच पर उपस्थित केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी जी का भी विलेज की दिशा में उनके प्रयासों की पूरी पूरी प्रशंसा की। अपने सम्बोधन के अंत में उन्होंने इस दो दिवसीय सम्मेलन की सफल कार्यवाही प्रस्तुत की और उपस्थित विशिष्ट महानुभाव, संगठनों, संस्थाओं ने अपने दिए भाषणों का अभिवादन किया और उनका स्वागत किया।

बिहार झारखंड के संगठन मंत्री श्री अनिल ठाकुर जी ने मंच पर उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों का अभिवादन किया और पहले संस्थान में उपस्थित लोगों को देखकर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली में नौकरी पेशा वाला 'मन की बात' कहकर इस सम्मेलन का महत्व है। उन्होंने प्रधानमंत्री जी को साधुवाद देते हुए कहा कि वे एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पद संभालते ही आयुष मंत्रालय बनाया और इस वर्ष आयुष्मान विलेज वर्ष घोषित कराया। उन्होंने कहा कि 2022-23 विलेज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। यह भारत,राष्ट्र का आयुर्वेद से बेहद महत्व रहा है। भारत के कृषि संस्कार का ये आधार रहा है। विलेज वर्ष मनाने से संस्कार में इस प्रकारों का महत्व बढ़ा है,इसके लिए सरकार के प्रयास बेहद सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि आज आयुष का महत्व बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत पूरे वर्ष आयुष संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है और लोगों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से यह संकल्प लेने को कहा कि वे आयुष के संदेश को लोगों तक पहुंचाएं।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी जी ने अपने सम्बोधन की शुरुआत भारत माता की जयकारों से किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि 'मन आदरणीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हम सभी विकास में सक्षम हों। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व की पूरी पूरी प्रशंसा की। उन्होंने सम्मेलन आयोजक श्री विनित कुमार जी का भी विशेष धन्यवाद किया और कहा कि आज सबसे जरूरी है निरोगी काया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सबसे अहम का साधन है। उन्होंने मंच का उद्बोधन देते हुए कहा कि वे राजस्थान के बाड़मेर (चौहटान ब्लॉक) का निवासी हैं, जहाँ हमने बचपन से आज तक बाजरी की रोटी खाई है। उन्होंने कहा मेरा पूरा जीवन बाजरी पर ही गुजरा है। और उन्होंने श्री नरेंद्र मोदी जी के इस वर्ष को विलेज वर्ष घोषित किया से सबसे ज्यादा खुशी उन्हें ही हुई। उन्होंने विलेज को लेकर चाहे वह रोटी हो या गाना भारत का भी जिक्र किया जिसमें कहा जाता था कि भारत में विलेज गांवों का जीवन है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री को साधुवाद की कि उन्होंने गांवों के आधार को सभी वर्ग का जीवन कर दिया और आज विलेज गांवों का नहीं, हर सबके का जीवन। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने भी अपने साथ ऐसा विलेज को जो सम्मान दिया है, उसके लिए वे उन्हें उनके आभारी हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य सबसे पहले स्वस्थ का ध्यान करने से ऐसा जरूर चाहिए। उन्होंने रेपुटेशनी , पीस तथा सही खानपान को अपनाने पर जोर दिया। मंत्री श्री कैलाश चौधरी जी ने कहा कि आज से 50-60 साल पहले लोग ऐलोपैथिक मेडिसिन नहीं लेते थे। तब पूरा आसपास 100-पैसा पूरी चीजों से ठीक हो जाता था।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी जी ने सम्मेलन संयोजक के साथ कई सम्मानित लोगों को 'आयुषकॉन 2023 एक्सेलेन्स अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जिनमें प्रमुख हैं-श्री देवनाथ,श्रीमती अनीमिका सिंह,डॉ विनित कुमार चतुर्वेदी,डॉ विनयकुमार राय चौधरी,डॉ उमेश शर्मा,डॉ. पी के सिंह,डॉ. रवि गौड़,डॉ.खादर वली,श्रीमती पुनम गुप्ता,डॉ. नीरज कुमार,श्रीमती चतुरा,श्री राम भूषण सैनी,श्री राजेश मीना,श्री विदुषकर राय कुमार,श्रीमती अनीता वर्मा,श्री दिनेश मोहन और डॉ. रामकेतु यादव। साथ ही उन्होंने श्री दीपक ठाकुर जी ने अपने दिये अनुभवों के आधार पर बताया कि किस प्रकार आयुष्मान लोगों के बीच, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग का निर्माण सहकार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सोशियोलॉजी उपचार के माध्यमों को महत्व बनाए रखने में उपयोगी प्रश्न भी। उन्होंने कहा कि मेरी का आज कई लोगों को जरूरत है। उन्होंने कहा कि जीवन में "सहयोग" का प्रयोग करना चाहिए। प्रत्येक पास अपना विलक्षण आदि का प्रयोग किया जाना चाहिए, इससे कुछ निर्धारित रहेंगे।

उद्घाटन सत्र का अंतिम सम्बोधन हरियाणा के राज्यपाल महामहिम श्री बंडारू दत्तात्रेय जी का रहा। उन्होंने इस सम्मान आयोजन के लिए संयोजक डॉ विनित कुमार जी को प्रशंसा की और मंच एवं आयुष को आपसे पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संस्कार में उपस्थित सभी लोगों को दिल दरवाजा चाहिए, विलेज मॉडलों को। उन्होंने लघुविधियों को सहायी और दिशा रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने एक प्रसिद्ध कथावाचक के अपने बात को आगे बढ़ाया- "मन जाए तो कुछ नहीं जाए। स्वास्थ्य चाहे जाने से मोहा जाए है परंतु चरित्र जाए जाए तो सम्पूर्ण चाहा जाता है।" इस बात को उन्होंने उपस्थित लोगों से गहन भाव लेने के लिए कहा। उन्होंने इस अवसर पर भारतीय आयोग के 150 वीं जयंती पर उन्हें याद करते हुए उनकी उपलब्धियों को लोगों के सामने रखा। उन्होंने आयोजन समिति को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दी। इस अवसर पर पूरे देश के विभिन्न राज्यों से तैयारी प्रतियोगियों ने भाग लिया,भारतीय की शुरुआत में आयोजनी आयुष के मन्त्रों द्वारा भजन- उपदेश गायन से किया गया,जिसका देश भर से आए हुए प्रतियोगियों ने जमकर आनंद लिया।

मंचन के उपरांत डॉ. उमेश शर्मा जी, डॉ विनित कुमार चतुर्वेद जी, डॉ. ऋतु गुप्ता जी, डॉ. विनित वाजपेयी, डॉ. प्रभुत चतुर्वेदी, डॉ.विनयकुमार राय चौधरी, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. देवेंद्र त्रिपुण्ड जी, चाणक्य मीना उपाध्याय के डॉ. देवनाथ जी, डॉ. अनीमिका सिंह जी, डॉ. अखिलेश शर्मा जी और गायकी जी, खादर वली जी ने आयुष एवं योग के आधुनिक महत्व पर प्रकाश डाला। प्रकाश मधुसिंह रीत विशेषज्ञ डॉ विनयकुमार राय चौधरी ने आयुर्वेद के समकालीन महत्व को रेखांकित किया। डॉ विनयकुमार राय चौधरी ने अपने आदान में केवल के प्रति उपस्थित श्रोताओं को आगाह किया और बताया कि केवल रोगन इन्हों शरीर में पहले से ही विद्यमान है, परन्तु जीवन शैली अपनाकर हम योग का महत्व बढ़ाते हुए उपयोग के लिए शरीर को तैयार कर देते हैं। चाणक्य मीना उपाध्याय के जी देवनाथ ने उपस्थित श्रोताओं को योग का महत्व बताते हुए उपयोगान के बारे में भी बताया। अहमदाबाद की वरिष्ठ चिकित्सक डॉ नीरज कुमार ने आयुर्वेद उपचार के साथ साथ चिकित्सा सहायता के प्रति सजग रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज अपने हमें स्वस्थ जीवन शैली अपनानी है तो अनुशासित जीवन अपनाना चाहिए। उन्होंने अनुशासन विलेज को अपना कर इस अपना और अपने समाज का स्वास्थ्य बेहतर रख सकते हैं।

दूसरे दिन अगस्त 21 अगस्त, 2023 के कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः आयुष ध्वजों की एक कतिका से हुई। पूरक के इस सत्र में राष्ट्रीय आयुष सम्मेलन के संयोजक डॉ. विनित कुमार के साथ डॉ. पुनम सक्सेना जी, डॉ मानसीश मौर्य जी और डॉ. रामसहाय मौर्य जी ने अपने विचार दी रखे। डॉ. विनित कुमार ने बताया कि यही दोनों भी जड़ आयुर्विज्ञान जीवन शैली है। उन्होंने कहा कोशों में लोग सात्विक भोजन की अपेक्षा मांसाहार एवं भारत पूरा खाना नहीं छोड़ते, यही बीमारी की जड़ है। राजस्थान सांसद श्री रामेश्वर जांगड़ा जी ने योग को विज्ञान की संज्ञा दी। उन्होंने बताया कि महर्षि एलोपैथी के कारण लोग आज योग की साथ आकर्षित हुए हैं। उन्होंने छात्रों के योग बढ़ रहे रुचान के प्रति चिंता प्रकट की और बताया कि योग से उनकी एकाग्रता से लाइ जा सकता है। डॉ पुनम सक्सेना, डॉ. मानसीश मौर्य जी और डॉ. रामसहाय मौर्य जी ने भारत एवं विश्व में बढ़ते आयुर्वेद के महत्व पर अपने विचार रखे। आदित्य इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट के डॉ रामसहाय मौर्य ने विलेज के महत्व पर बल दी। उन्होंने जीवन शैली में विलेज को सम्मिलित करने की प्रस्तावना की।

भारत के बाद के सत्र में आदित्य इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आदित्य विश्वकर्मा महाराज के डॉ एस. डी. मानसीश ने आयुर्वेद के समकालीन महत्व को रेखांकित किया। उन्हों ने आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. विनयकुमार ने रोगों को दूर करने हेतु आयुर्वेद पद्धति को अपनाने की सलाह दी। उनका कहना था कि एलोपैथी की जरूरत सब पड़ती है, जब हम आयुर्वेद के अनुसरण का पालन करना शुरू देते हैं। योगदान के पोषण के बाद के सत्र में विशेषज्ञ विशेषज्ञों ने अपनी बात रखते हुए कहा कि आजकल हमने की आधुनिक जीवन शैली से प्रभावित हैं। सभी के बात-चित की जीवन शैली सभी के स्वास्थ्य पर अपना प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने चर्चित में सभी के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। डॉ सीताराम पैन तैन के सम्मान डॉ रवि सेन ने विशिष्ट ऐसा की एक रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि इनमें से अपने से ज्यादा लोग गलत खानपान के शिकार हैं। बड़ते स्वास्थ्य और प्रोसेसिंग की जगह से लोग सुस्त और कम उत्साह के शिकार हैं। बाबा,विद्युतिपुरान सब इन्हीं बातों से पैदा हो रहे हैं। इस बात में डॉ. राजेश सचदेव जी और डॉ सुमन ने अपने विचार प्रस्तुत किये। सचदेव राय ने सबसे प्रोसेसिंगराज की भारतान ने आयुर्वेद एवं आयामन के आदतों एवं जीवन शैली को आज की बड़ी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि आज कार्बोन,ग्लाकोन,राजसेन एवं पत्रिकोन को मधुर ही सरलता व स्वास्थ्य से सम्बन्ध में समझने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि यह ज्ञान आधुनिक जीवन शैली में अनुसरण के समान है। सचदेव राय ने डॉ. राकेश गुप्ता औरोमोसोआइडेन के निदेशक डॉ रामदेव राय और रेनम के डॉ पीके सिंह जी ने कहा कि आज पूरी दुनिया ने योग के विश्वगुरु के रूप में इसे स्वीकार किया है। कार्यक्रम के अंत में आयुष्मान भारत के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के आयोजक डॉ.विनित कुमार ने सभी विशिष्ट अतिथियों एवं उपस्थित श्रोताओं को धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में होने वाले इसी प्रकार के कार्यक्रम में पुनः आगमन का आमन्त्रण दिया।